कार्यक्षेत्र से रिपोर्ट - 2

17 अप्रैल 2020

COVID-19- भूख और विस्थापन की आपदा

कोरोना वायरस के कारण इस देशव्यापी लॉकडाउन के समय में प्रवासी मजदूर बेरोजगारी तथा सीमित संसाधनों के साथ शहरो में फंस गए है। कई लोग जो अपने गाँव वापस चले गए है वह भी अपने परिवारों की स्तिथि को सामान्य बनाने के लिए संघर्ष कर रहे है। राहत कार्यो को शुरू करने के लिए हमने बीते 2 दशकों में हमारे समूचे भारत में बनाए गए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रो की टीमों, सहभागी संस्थाओ और स्वंयसेवी संगठनों को सक्रिय किया है। इस नेटवर्क ने हमे जमीनी मुद्दों को समझने, सामग्री को जल्दी पहुंचाने तथा समय-समय पर हमारी रणनीति को अनुकूलित करने में मदद की।

कार्यक्षेत्र की मुख्य गतिविधियां :

हमने सम्पूर्ण देश के अपने नेटवर्क को सक्रिय किया और हमारी क्षेत्रीय टीमों के अलावा **92 सहभागी संस्थाओं के साथ 18 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशो** में काम शुरू हो गया है।

- अब तक हम **17,700 परिवारों तक तत्काल सहायता** पहुँचा चुके है।
- स्थानीय सामुदायिक रसोइयों तक **16,600 किलो राशन** पहुंचाया गया।
- स्वास्थ्य रक्षा संबंधी पहल: **42,800 फेस मास्क तथा 24,900 सेनेटरी पैड** बनाए गए।
- **77,800 लोगो तक तैयार भोजन** पहुंचाया गया।

हमारा लक्ष्य:

पहले चरण में यह सुनिश्चित करना की दैनिक कामगार, प्रवासी, अन्य कमजोर समूह इस लॉक डाउन के समय अपनी यथा स्तिथि को बनाए रख पाए तथा ग्रामीण भारत में बुनियादी उपभोग की वस्तुओ तक लोगो की पहुँच बनी रहे।

हमारी ताकत:

शहरों तथा ग्रामीण भारत के आम नागरिक जो इस कठिन समय में अपना योगदान दे रहे है।

कुछ महत्त्वपूर्ण पहलू जिनके माध्यम से हम अपने लक्ष्य के करीब तक पहुंचे:

- आपदा के समय काम करने का हमारा अनुभव।

- हमारी टीम जो कि जमीनी स्तर पर समुदायों से जुडी हुई है, व्यापक स्तर पर रसद तथा परिवहन के परिचालन में प्रशिक्षित है और रणनीति को बहुत जल्दी और स्तिथि के अनुसार स्वीकार करने में निपुण है।
- सम्पूर्ण भारत में जमीनी स्तर से जुड़े साथी संगठनों और शहरी संस्थाओ का हमारा नेटवर्क, उद्योग जगत आदि जिनकी सहायता से हम काम को बढ़ा सके और इस महत्वपूर्ण लक्ष्य तक पहुंचने में हमारे साझीदार रहे है।
- हमारा व्यवस्थित दृष्टिकोण तथा विकास क्षेत्र के संगठनों के बड़े पारिस्थिकी तंत्र को सहायता करने और मजबूती प्रदान करने के हमारे प्रयास।
- सम्पूर्ण भारत में कार्यशालाओं तथा प्रोद्योगिकी इकाइयों में हमारी प्रशिक्षित टीमें जिन्होंने वापस लौट कर कपड़े से बने फेस मास्क और सेनेटरी पैड बनाना शुरू कर दिया है (दिल्ली, चेन्नई और ऋषिकेश केन्द्रो पर हमारी कार्यशालाओं को पुनः सक्रिय किया गया है।)

कार्य क्षेत्र से जानकारी:

प्रभावित लोगो तक पहुंची तत्काल राहत सहायता: हमारी क्षेत्रीय टीम, स्वयंसेवी साथी और सामुदायिक कार्यकर्ताओ के घनिष्ठ नेटवर्क के माध्यम से हम **17,700 परिवारों और हजारो लोगो तक 15,100 राशन किट** पंहुचा चुके हैं।

उपेक्षित समुदायों पर ध्यान: हम व्यापक स्तर पर उपेक्षित समुदायों को समर्थन प्रदान कर रहे है जिनमे सेक्स कर्मी से ले कर, किन्नर समुदाय, आदिवासी समुदाय, HIV पॉजिटिव लोग, चाय बागान के मजदूर, कुष्ठ रोगी से लेकर देवदासी सम्मिलित है।

सामुदायिक रसोइयों की शुरुआत तथा उनका समर्थन: स्वयंसेवको और अन्य साथी संगठनों के माध्यम से हमारी टीम द्वारा दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, तमिलनाडु, केरल और उत्तराखण्ड में **12 सामुदायिक रसोइया** शुरू की गयी तथा राशन और अन्य आवश्यक वस्तुएँ पहुंचाई गई। **16,600 किलो राशन** जिसमे चावल, आटा, दाल आदि सम्मिलित है। हमारी क्षेत्रीय टीमों के माध्यम से **77,800 तैयार भोजन** प्रवासी मजदूरों और दैनिक मजदूर जो सड़को पर पूरे देश में नजर आ रहे है उन तक पहुंचाया गया।

अभावो को भरने के प्रयास तथा नेटवर्क की पहुंच बढ़ाना: समूचे भारत में अब तक कुल **92 संस्थाओं** को समर्थन प्रदान किया गया है। इनमे कई संगठन हमारे पहले से चल रहे शहरी और ग्रामीण नेटवर्क का हिस्सा है। इन संगठनों ने अन्य संस्थाओ, समूहों और जमीनी स्तर के संगठनों की पहचान करने में भी मदद की जिन्हे इस समय तत्काल राहत उपायों की आवश्यकता है। इनमे विभिन्न वृद्धाश्रम, स्कूल, चाइल्ड केयर केंद्र, अस्पताल, बस्तिया और संस्थान शामिल है जो इस संकट की घड़ी में महत्वपूर्ण अभावों को भरने का प्रयास कर रहे है।

स्वास्थ्य रक्षा सम्बन्धी पहल:

कुछ शहरों में कार्य की अनुमति मिलने पर हमने हमारी प्रौद्योगिकी इकाइयों को पुनः चालू किया तथा हमारी प्रशिक्षित महिला टीम ने कपड़े से बने फेस मास्क, सेनेटरी पैड, ऑर्गनिक सेनिटाइज़र बनाना शुरू किया है।

बिहार, दिल्ली, केरल, ओडिशा, तमिलनाडु, उत्तराखण्ड और पश्चिम बंगाल की कार्यशालाओं में गाँवों तक तत्काल सुरक्षा, स्वछता आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए **42,800 फेस मास्क पहले** ही तैयार किये जा चुके है। हमने व्यापक स्तर पर नए कपड़े से फेस मास्क बनाएं हैं तथा हमारी टीमों के माध्यम से स्थानीय स्तर तक पहुंचाया जा रहा है। 1500 ली. से अधिक आर्गेनिक सेनिटाइज़र और 1520 ली. कीटनाशक पहले ही तैयार किया जा चुका है। जिससे स्थानीय प्रशासन के सहयोग से बिहार के कुछ गाँवों को स्वच्छ किया जाएगा।

कपड़े से सेनेटरी पैड बनाना- माय पैड

अब तक 24,900 से अधिक माय पैड हमारी ऋषिकेश कार्यशाला में बनाए और आगे पहुचाये गए है।

राज्य तथा केंद्रशासित प्रदेश जहा हम वर्तमान में कार्यरत है:

आँध्रप्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरयाणा, जम्मू और कश्मीर, झारखण्ड, कर्नाटक, केरला, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड, पश्चिम बंगाल।

शब्दों का मोल: मीडिया में गूँज की उपस्थिति

पिछले कुछ सप्ताहों में नीलम जो मूल रूप से बिहार की निवासी है और प्रवासी श्रमिक के रूप में दिल्ली आई थी- उनका अधिकतर समय गूँज दिल्ली की कार्यशाला में फेस मास्क बनाने में बीता, पूरी कहानी पढ़ने के लिए यहाँ क्लिक करे-https://timesofindia.indiatimes.com/city/delhi/a-stitch-in-time-sewingtirelessly-to-protect-poor/articleshow/75018879.cms

एक ऐसे समय जब सम्पूर्ण विश्व अपने घरों में है, गूँज की 15 महिलाए आपदाग्रस्त लोगो की सहायता के लिए लगातार फेस मास्क बनाने में जुटी हुई हैं- https://www.dnaindia.com/india/video-superwomen-working-round-the-clock-to-provide-masks-for-all-2820401

भारत दुनिया के सबसे बड़े लॉक डाउन में से एक का सामना कर रहा है जिससे लाखो प्रवासी श्रमिकों को भोजन की कमी के गंभीर संकट का सामना करना पड़ा है। भारत के सबसे कमजोर वर्ग को राशन उपलब्ध कराने के लिए गूँज द्वारा अथक प्रयास किया जा रहा है-

https://www.ndtv.com/video/news/news/coronavirus-lockdown-goonj-is-providing-ration-andmedical-kits-to-people-in-distress-545366

हमारा सहयोग कीजिये

राशि सहयोग के लिये- https://bit.ly/3app3op

गूँज के लिये सहयोग राशि जुटाने के लिये आप **फंडरेज़िंग कैंपेन** शुरू कर सकते है और अपने नेटवर्क में प्रेषित कर सकते है। https://bit.ly/34OO2Ap

थोक रूप में सामग्री सहयोग- https://bit.ly/34U9VhB

गूँज संस्थापक अंशु गुप्ता द्वारा किये गए वेबिनार देखने के लिये
COVID 19 के समय सामाजिक क्षेत्रो पर प्रभाव एवं प्रतिक्रिया- https://youtu.be/lAl3MbT71uA

अधिक जानकारी के लिए हमे mail@goonj.org पर लिखे।